उत्तर दिक-यात्रा तथा दक्षिणदिक यात्रा

इन यात्राओं का कोई पौराणिक प्रमाण नहीं मिला, परन्तु इनकी परम्परा कम-से-कम पाँच सौ वर्षों से चल रही हैं; क्योंकि ठगुरूचरित्र' में इनका उल्लेख उत्तर मानस-यात्रा तथा दक्षिण मानस-यात्रा के नाम से मिलता है।

(क) उत्तर दिक-यात्रा अथवा उत्तर मानस-यात्रा : याज्त्रा मुक्तिमण्डप से प्रारम्भ होती है और दण्डपाणि तथा मोदादि पंच विनायकों के दर्शन के बाद विश्वनाथ का दर्शन पूजन होता है। तदुपरान्त निम्नांकित क्रम से यात्रा चलती है।

१. ज्ञानवापी : प्रसिद्ध।

२. लांगलीश्वर : खेवाबाजार। मकान नं. सी. के २८/४।

३. पशुपतीश्वर : नन्दन साहु के मुहल्ले में। मकान नं. सी. के १३/६६।

४. पितामहेश्वर : शीतला गली में कश्मीरीमल की हवेली के पास। मकान नं. सी. के. ७/९८ की बगल में।

५. कलशेश्वर : पास ही। मकान नं. सी. के. ७/१०९ नागरों की ब्रह्मपुरी में।

६. चन्द्रश्वर : सिद्धेश्वरी में। मकान नं. सी. के. ७/१२४।

७. चन्द्रेश्वर : वहीं मकान नं. सी. के.७/१२४।

८. सिद्धेश्वरी देवी तथा सिद्धेश्वर : वहीं मकान नं. सी. के.७/१२४।

९. विद्येश्वर : नीमवाली ब्रह्मपुरी में मकान नं. सी. के. २/४१।

१०. कलिकालेश्वर : सिद्धेश्वरी में, चन्द्रेश्वर की दालान में। मकान नं. सी. के. ७/१२४।

११. आत्मावीरेश्वर : प्रसीद्ध। मकान नं. सी. के. ७/१५८।

१२. मंगलेश्वर : वहीं मकान नं. सी. के. ७/१५८।

१३. बुधेश्वर : वहीं मकान नं. सी. के. ७/१५८।

१४. पर्वतेश्वर : संकटाघाट। मकान नं. सी. के.७/५०।

१५. वासुकीश्वर : आत्मावीरेश्वर के पास, मकान नं. सी. के. ७/१५५।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

१६. वृहस्पतीश्वर : वहीं। मकान नं. सी. के. ७/१३३।
१७. वशिष्ठ वामदेव : संकटाजी के पूर्व। मकान नं. सी. के. ७/१६१।
१८. याज्ञवल्क्येश्वर : वहीं। संकटाजी के घेरे की दीवार में मढ़ी में हरिश्चन्देश्वर के सामने।
१९. कृष्णेश्वर : संकटाजी से पूर्व मन्दिर के बाहर।
२०. हरिश्चन्द्रेश्वर : वहीं। मकान नं. सी. के. ७/१६६।
२१. यमेश्वर : यमघाट पर। गंगातट पर।
२२. यमतीर्थ : गंगा में वहीं। यमघाट प्रसिद्ध।
२३. संकटा देवी : प्रसिद्ध वहीं।
२४. विन्ध्यावासिनी देवी : वहीं पर। मकान नं. सी. के. २/१३३।
२५. नागेश्वर : भोंसलाघाट पर। मकान नं. सी. के. १/२१ से सटे हुए मन्दिर में
२६. उपाशान्तेश्वर : आग्नीश्वर घाट पर। मकान नं. सी. के. २/४।
२७. अग्नीश्वर : पास के मकान में। मकान नं. सी. के. २/३।
२८. गभस्तीश्वर : मंगला गौरी में। मकान नं. के. २४/३४।
२९. मंगला गौरी : प्रसिद्ध मकान नं. के. २४/३४।
३०. व्यंकटेश : बालाघाट पर लक्ष्मण बाला के नाम से प्रसिद्ध।
३१. बिन्दुमाधव : प्रसिद्ध। मकान नं. के. २२/३३।
३२. पंचनंद तीर्थ : पंचगंगा घाट पर।
३३. पंचगंगेश्वर : वही। मकान नं. के. २२/११।
३४. दुग्धविनायक : दूधविनायक पर।
३५. दधिविनायक : वही।
३६. घृतविनायक : वही।
३७. मधुविनायक : वही।
३८. शर्कराविनायक : वही।
३९. आमर्दकेश्वर : काठ की हवेली के पीछे मकान नं. ३०/४।
४० कालमाधव : वही। मकान नं. के. ३०/४।
४१ पापभक्षेश्वर : समीप में। मकान नं. ३२/३६।
४२. कालभैरव : प्रसिद्ध। मकान नं. के. ३२/२२।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

४३.	दण्डपाणिभैरव	: दण्डपाणि गली में। मकान नं. के. ३९/४९।
४४.	(क) कालेश्वर	: वही। मकान नं. ३१/४९।
	(ख) महाकालेश्वर	: कालभैरव के पूर्व। मकान नं. ३२/२४।
४५.	धनधान्येश्वर	रतनफाटक के पास। कमान नं. १७/९ के पास।
४६.	त्रिलोचन	: प्रसिद्ध।
४७.	कामेश्वर	: त्रिलोचनगंज में। प्रसिद्ध।
४८.	मत्स्योदरी तीर्थ	: मछोदरी का तालाब।
४९.	ओंकारेश्वर	: ओंकारेश्वर मुहल्ले में। मकान नं. ३३/२३।
५०.	तारकुण्ड तीर्थ	: समीप में। पुराना कपालमोचन तीर्थ।
५१.	सुमन्त्वश्वर	: हनुमान फाटक पर। मकान नं. ए. ३१/९१।
५२.	ऋणमोचन तीर्थ	: समीप में।
५३.	पापमोचन तीर्थ	: समीप में।
५४.	कपालमोचन तीर्थ	: लाटभैरव का तालाब, जो वर्त्तमान काल में कपालमोचन नाम से प्रतिष्ठित है।
५५.	कुलस्तम्भ	: लाटभैरव नाम से प्रसिद्ध।
५६.	ऐतरणी तीर्थ	: वैतरणी से पश्चिम।
५७.	वेतरणी तीर्थ	: प्रसिद्ध।
५८.	शैलेश्वर	: मढ़ियाघाट, वरणातट।
५९.	शैलपुत्री दुर्गा	: वहीं पर।
६०.	हुण्डन-मुण्डनगण	: वहीं पर।
६१.	उत्तरार्ककुण्ड	: बकरियाकुण्ड, अलईपुरा में।
६२.	उत्तरार्क	: वहीं पर अलईपुरा में। मूर्त्ति लुप्त।
६३.	कर्कोटक तीर्थ	: नागकुआँ। प्रसिद्ध।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

६४. ज्वरहरेश्वर : वागीश्वरी के पास। मकान नं. जे. ६/८४।
६५. सिद्धेश्वरी : वहीं।
६६. वागीश्वर देवी : जैनपुरा में।
६७. शिवगंगा तीर्थ : ईश्वरीगंगी तालाब।
६८. अग्नीन्द्रेश्वर : नरहरिपुरा में जागेश्वर महादेव नाम से प्रसिद्ध। मकान नं. के. ६६/४।
६९. जैगीषव्य गुहा : समीप में। मकान नं. के. ६६/३।
७०. अपमृत्युहरेश्वर : मृत्युंजय नां से प्रसिद्ध। मकान नं. के. ५२/३९।
७१. वृद्धकालेश्वर : वहीं पर। मकान नं. के. ५२/३९।
७२. महाकालेश्वर : वहीं पर। मकान नं. के. ५२/३९।
७३. दक्षेश्वर : वहीं पर। मकान नं. के. ५२/३९।
७४. धन्वन्तरीश्वर : वहीं पर। मकान नं. के. ५२/३९।
७५. मणिप्रदीपकुण्ड : लुप्त।
७६. मणिप्रदीप नाग : वहीं नागनाथ वाले मुहल्ले में। लुप्त।
७७. असितांग भैरव : वृद्धकाल के घेरे में सर्वेश्वर-मन्दिर में। मकान नं. के. ५२/३९।
७८. कृत्तिवासेश्वर : हरतीरथ के पास वृद्धकाल के दक्षिण। मकान नं. ४६/२३।
७९. रत्नेश्वर : वहीं सड़क पर। मकान नं. के. ५३/४०।
८०. रत्नचूड तीर्थ : समीप में लुप्त।
८१. अम्बिकेश्वर : समीप में। मकान नं. ५३/३८।
८२. हंसतीर्थ : हरतीरथ का पोखरा नाम से प्रसिद्ध।
८३. मन्दाकिनी तीर्थ : मैदागिन का तालाब प्रसिद्ध।
८४. हृषीकेश : मध्यमेश्वर के पास।
८५. मध्येश्वर : मैदागिन के उत्तर।
८६. जम्बुकेश्वर : बड़े गणेश पर। मकान नं. ५८/१०३।
८७. महाराज विनायक : बड़े गणेश पर। मकान नं. के. ५८/१०३।
८८. सिद्धयष्टकेश्वर : वहीं पर। मकान नं. के. ५६/१०३।
८९. कन्दुकेश्वर : भूतभैरव पर। मकान नं. के. ६३/२९।
९०. भूतभैरव : प्रसिद्ध। मकान नं. के.६३/३८।
९१. ज्येष्ठा गौरी : समीप में। मकान नं. के.६३/२४।
९२. ज्येष्ठेश्वर : वहीं पर। मकान नं. के. ६२/१४४।
९३. ज्येष्ठविनायक : उसी मन्दिर में। मकान नं. के. ६२/१४४।
९४. चतुःसमुद्रकूप : काशीपुर की सड़क पर।
९५. काशीदेवी : वहीं पर। प्रसिद्ध।
९६. घण्टाकर्णेश्वर : कर्णघण्टा पर। मकान नं. के. ६०/६७।
९७. घण्टाकर्णतीर्थ : वहीं पर। मकान नं. के. ६०/६७ में।
९८. महोदरगण : वहीं।
९९. द्वारविनायक : जो विनायक ब्रह्मनाल में अथवा पाँच पाण्डव-मन्दिर में।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

१००. ढुण्ढिराज : प्रसिद्ध।

१०१. अन्नपूणी : प्रसिद्ध।

१०२. विश्वेश्वर : प्रसिद्ध।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

वाराणसी वैभव या काशी वैभव - सुनील कुमार झा

उत्तर मानस - यात्रा नाम से इस यात्रा के सम्बन्ध में 'गुरूचरित्र' (पन्द्हवीं शताब्दी) में जो क्रम दिया है, उसके अनुसार यात्री पंचगंगा में स्नान करके मार्ग के तीर्थों का दर्शन-पूजन करता हुआ विश्वेश्वर तथा मुक्तिमण्डप में पहुँचता है और वहाँ से यात्रा आगे चलती है। इस सूची में केवल ६८ तीर्थों के नाम है। इनमें कुछ विषय में तो प्रमाद समझ पड़ता है; क्योंकि वे उत्तरयात्रा में नहीं आ सकते जैसे केदार तथा ईशानेश्वर, (सम्भवतः निवासेश्वर का भ्रमाश्रित नाम) और कुछ यात्रा क्रम में अपने स्थान से हट गये हैं। कुछ नये नाम भी मिलते हैं। इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण नाम क्षेत्रपाल का है। कालभैरव तथा कालेश्वर के बीच में यह नाम भी मिलता है - और कालभैरव के पीछे केदार के ठीक सामने क्षेत्रपाल की प्राचीन मूर्ति इस समय भी वर्तमान है। जो यर्थाथतः काशी के क्षेत्रपाल दणाडापाणि की प्राचीन मूर्ति। यह अविमुक्तेश्वर अथवा विश्वेश्वर मन्दिर से हटाई गई है और बाद में यहाँ स्थापित हुई थी। इसमें मध्य में दण्डपाणि तथा उनके दोनों ओर उनके सहायक परिचारक उद्भ्रम तथा सम्भ्रम की मूर्ति, जो नवीं अथवा दसवीं शताब्दी की जान पड़ती है। इसी प्रकार, कालभैरव के पास ही नवग्रह के मन्दिर का भी उल्लेख है। 'शेरिंग' ने भी इस मन्दिर का नामांकन किया है और यह अब भी वर्त्तमान है। बड़े गणेश का नाम इसमें वक्रतुण्ड मिलता है। वरणापार के तीर्थों, अर्थात वृष्भध्वज तथा ज्वालानृसिंह के नाम भी इस सूची में है। और सबसे बड़ी बात यह है कि हनुमानजी के मन्दिर का भी उल्लेख है। जलशायी का भी नाम मिलता है। जलशायी तथा मोदादि पंचविनायक के बीच में यह स्थान कहा गया है। इस सूची के पूर्व कहीं भी हनुमानजी के दर्शन-पूजन का उल्लेख काशी के सम्बन्ध में देखने में नहीं आया। ज्ञानवापी का तो यहाँ उल्लेख नहीं किन्तु ज्ञानेश्वर का नाम है। आजकल ज्ञानेश्वर का मन्दिर लाहौरी टोला में है, परन्तु इस सूची से जान पड़ता है कि पन्द्रहवीं शती ईसवीं के अन्त में ज्ञानवापी के पास ज्ञानेश्वर का शिवलिंग था, जो उसके बाद नष्ट हुआ। एक और नया नाम सम्भ्रम का भी यहाँ मिलता है, जो दण्डपाणि के सहायकों में एक का है। यह नाम अविमुक्तेश्वर तथा विश्वनाथ के बीच में आया है, जिससे यह समझ पड़ता है कि वहीं दण्डपाणि के समीप ही सम्भ्रम की भी पूजा होती थी।

(ख) दक्षिण दिग्यात्रा अथवा दक्षिण मानस-यात्रा - यह यात्रा भी विश्वेश्वर से प्रारम्भ होती है और इ समें यथानिर्दिष्ट तीर्थों का दर्शन-पूजन किया जाता है।

१. विश्वेश्वर : प्रसिद्ध।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

२.	अविमुक्तेश्वर	:	विश्वनाथ-मन्दिर में तथा के फाटक के सामने धर्मशाला में।
३.	शुक्रेश्वर	:	कालिका गली में। मकान नं. डी. ८/३०।
४.	शुक्रकूप	:	वहीं पर, शुक्रेश्वर के पास में।
५.	महाकाली	:	वहीं , मकान नं. डी. ८/१७
६.	चण्डीचण्डीश्वर	:	वहीं, मकान नं. डी. ८/२७।
७.	धर्मेश्वर	:	धर्मकूप में मीराघाट के पास। मकान नं. डी. २/१३।
८.	धर्मकूप	:	वहीं।
९.	विश्वबाहुका देवी	:	समीप ही। मकान नं. डी. २/१३।
१०.	दिवोदासेश्वर	:	विश्ववाहुका के मन्दिर में। मकान नं. डी. २/१३।
११.	विशालाक्षी देवी	:	वहीं मकान नं. डी. ३/८५।

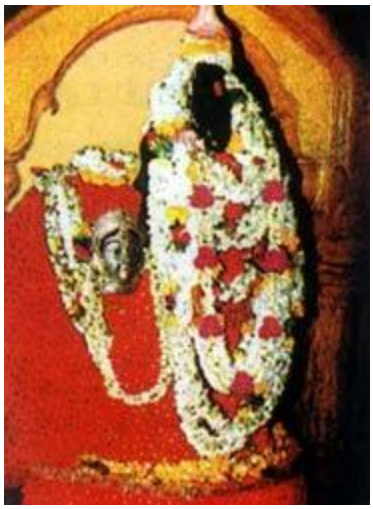

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

१२. आशाविनायक	:	समीप में।
१३. वृद्धादित्य	:	मीरघाट पर। मकान नं. डी. ३/१६।
१४. आनन्दभैरव	:	वहीं, समीप गली में।
१५. त्रिपुरा भैरवी	:	त्रिपुरा भैरीव मुहल्ले में। मकान नं. डी. ५/२४।
१६. वाराही देवी	:	वाराही घाट। मकान नं. डी. १६/८४।
१७. रामेश्वर	:	मानमन्दिर घाट। मकान नं. डी. १६/३४ के पास।
१८. सोमेश्वर	:	वहीं, सोमेश्वर के समीप।
१९. दाल्भ्येश्वर	:	वहीं समीप में। मकान नं. डी. १६/२८।
२०. लक्ष्मीनारायण	:	मानमन्दिर।
२१. प्रयागमाधव	:	दशाश्वमेघ पर। मकान नं. डी. १७/१११।
२२. संकर्षणतीर्थ	:	मानमन्दिर घाट।
२३. शूलटंकेश्वर	:	दशाश्वमेघ घाट पर।
२४. दशाश्वमेधतीर्थ	:	दशाश्वमेघ घाट पर।
२५. आदिवाराहेश्वर	:	दशाश्वमेध, राम-मन्दिर के पास। मकान न. डी. १७/१११
२६. दशाश्वमेधेश्वर	:	बड़ी शीतलाजी में।

२७. बन्दी देवी	:	दशश्वमेघ पर। मकान न. डी. १७/१००।
२८. शीतला देवी	:	दशाश्वमेघ घाट पर।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

२९. चतु-षष्टियोगिनी	:	राणा महल चौसटठी घाट।
३०. कृष्णगोपाल	:	पास में ही।
३१. पातालेश्वर	:	बंगाली टोल में। मकान न. डी. ३२/११७ के द्वार पर।
३२. पुष्पदन्तेश्वर	:	समीप में। मकान न. डी. ३१/१०२
३३. गरूडेश्वर	:	समीप में। मकान न. डी. ३२/३९ ए।
३४. तिलभाण्डेश्वर	:	पाण्डे की हवेली में।

३५. रेवातीर्थ	:	रेउड़ी तालाब।
३६. मानसरोवर तीर्थ	:	मानसरोवर तालाब। अब लुप्त।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

३७. हंसेश्वर	:	समीप में। लुप्त।
३८. क्षेमेश्वर	:	समीप में। मकान न. बी. १४/१२।
३९. रूक्मांगदेश्वर	:	समीप में। चौकी घाट के ऊपर।
४०. चित्रग्रीवा देवी	:	कुमारस्वामी मठ। मकान न. बी. १४/११८।
४१. गौरीकुण्ड	:	केदार घाट पर।
४२. केदारेश्वर	:	प्रसिद्ध

४३. चिन्तामणि गणेश	:	लालीघाट के ऊपर सड़क पर।
४४. हनुमान	:	हनुमान घाट पर बड़े हनुमान।
४५. हनुमदीवश्वर	:	हनुमान घाट पर बड़े हनुमान।
४६. रामेश्वर	:	वहीं हनुमान जी के घेरे में।
४७. रामचन्द्र	:	समीप में।
४८. सिद्धकुण्ड	:	मनिया गड़ही।
४९. कूटदन्त विनायक	:	कृमिकुण्ड पर।
५०. स्वप्नेश्वर	:	१. बादशाह गंज में। २. लोलार्क के समीप।
५१. स्वप्नेश्वरी देवी	:	१. वहीं पर। २. लोलार्क के समीप।
५२. हयग्रीव तीर्थ	:	आनन्दमयी अस्पताल के पास लुप्त।
५३. हयग्रीवेश्वर	:	वहीं पर।
५४. पाराशरेश्वर	:	लोलार्क पर। मकान नं बी २/२१।
५५. अमरेश्वर	:	वहीं पर समीप में। मकान नं. बी. २/२०।
५६. अर्कविनायक	:	लालार्क पर।
५७. लोलार्क	:	प्रसिद्ध। मदैनी में।
५८. असिसंगम	:	प्रसिद्ध।
५९. असिमाधव	:	समीप में।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

६०. पुष्करतीर्थ	:	गुदर दास के स्थान के पास।
६१. स्थाण्वीश्वर	:	१. कुरुक्षेत्र तालाब पर २. समीप नें मकान नं. बी. २/२४७।
६२. कुरुश्रेत्रतीर्थ	:	वहीं।
६३. रणस्तम्भ	:	वहीं।
६४. महामाया देवी	:	दुर्गाकाण्ड पर।
६५. कुक्कुटेश्वर	:	दुर्गाजी के घेरे में।
६६. द्वारेश्वर	:	वहीं।
६७. दुर्गाकुण्डतीर्थ	:	वहीं प्रसिद्व।

६८. दुर्गाजी	:	वहीं प्रसिद्व।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

६९. वराटिका देवी तथा मुकुटकुण्ड	:	मुकुटकुण्ड पर गोई पर गोई बाई के नाम से प्रसिद्व। मकान नं वी. २७/२०१
७०. मुकुटेश्वर	:	वहीं लुप्त।
७१. द्वारावती तीर्थ	:	शंखूधारा।
७२. द्वारावतीश्वर	:	समीप में।
७३. दुर्वासा, ऋषि	:	समीप में।
७४. कृष्णरूक्मिणी	:	समीप में।
७५. वैद्यनाथ	:	कामाक्षा पर बैजनत्था नाम से प्रसिद्व।
७६. कामक्षा देवी	:	बटुकभैरव के पास प्रसिद्व।
७७. बटुकभैरव	:	प्रसिद्व।
७८. रामेश्वर	:	रामकुण्ड पर।
७९. रामकुण्ड	:	प्रसिद्व - लक्सा मुहल्ले में।
८०. लवेश्वर	:	वहीं।
८१. कुशेश्वर	:	वहीं।
८२. महालक्ष्मीतीर्थ	:	लक्ष्मीकुण्ड।
८३. महालक्ष्मी देवी	:	वहीं।
८४. सूर्यकुण्ड	:	सूर्यकुण्ड मुहल्ले में।
८५. साम्बादित्य	:	वहीं।
८६. द्विमुख विनायक	:	वहीं दालान में।
८७. दीप्ता शक्ति	:	वहीं।
८८. गोदावरी तीर्थ	:	गोदौलिया मे। लुप्त।
८९. गौतमेश्वर	:	गौदौलिया पर, काशिराज के मन्दिर के पास। मकान नं. डी.

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

३७/३३।

९०. ज्यम्बकेश्वर	:	मकान नं. डी. ३८/२१ बड़ादेव मुहल्ले में त्रिलोकनाथ नाम से प्रसिद्ध।
९१. समुद्रेश्वर	:	कोतवालपुरा लाजपत राय रोड पर। मकान नं. डी. ३७/३२ में सड़क की पटरी के छोटे शिवालय में।
९२. कोटिलिंगेश्वर	:	साक्षीविनायक की गली में।
९३. मनः प्रकारमेश्वर	:	साक्षीविनायक पर। मकान नं. डी. १०/५०
९४. साक्षीविनायक	:	प्रसिद्ध।

९५. ढुण्ढिराज	:	प्रसिद्ध।

९६. नैमिषारण्तीर्थ	:	ब्रह्मावर्त्त कूप। देवदेव के सामने अपारनाथ मठ में, मकान नं. सी. के. ३७/१२।
९७. अन्नपूर्णा	:	प्रसिद्ध।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

९८. विश्वेश्वर : प्रसिद्ध।

पन्द्रहवीं शताब्दी ईसवी में यह यात्रा दक्षिण मानस-यात्रा के नाम से प्रसिद्ध थी। ठगुरूचरित्र' में इस यात्रा के तीर्थो की जो सूची दी हुई है, वह इस सूची से छोटी है किन्तु, उसमें कई नये तीर्थ के नाम मिलते हैं, जिनसें सबसे महत्त्वपर्णू वृद्धकेदार हैं, जो वर्त्तमान यात्रा की सूची में नहीं है। इनका मन्दिर हरिशचन्द्रघाट के ऊपर है। केदार का यही प्राचीन स्थान था। तोड़फोड़ के बाद उनकी स्थापना वर्त्तमान स्थान पर हुई।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.